

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, (हरिद्वार)

पाठ्यक्रम - M.A. - दर्शन

वर्ष- 2020-21



Program Educational Objectives (PEOs)

- **PEO 1** – To make sense of ancient Vedic philosophies by a complete and authentic study of sutras and commentaries.
- **PEO 2** – To develop the critical and intellectual thinking among students by teaching them Buddhist, Jain, Charvak and other philosophies.
- **PEO 3** – To inform the students about the principles of Navyadarshana along with ancient Vedic philosophies.
- **PEO 4** – To develop a wide vision among the students by imbibing in them the principles of western philosophy in addition to Vedic and post-vedic philosophies.
- **PEO 5** – To teach the principles of various acharyas of vedanta philosophy such as shankaracharya, madhwacharya and ramanujacharya and paniniya philosophy.

Program Specific Outcomes (PSOs)

After completing of the program, the students will be able to

- **PSO 1** – Leading the world to a collective welfare which occurs by the emergence of self-vision in him.
- **PSO 2** – Philosophy provides divine vision to the student, by which, by gaining knowledge of all the components of the universe with the emergence of self-vision in all human beings, the human becomes oriented towards welfare.
- **PSO 3** – Behave according to this approach, a divine super mind conscious person, by incorporating moral values and spiritual values in himself and in the society gets ready to build society and nation.
- **PSO 4** – By learning the Vedic philosophical principles, the student becomes capable of differentiating between the principles and values of doing truth and welfare and eradicating hypocrisy and superstition and do welfare and make welfare by others.
- **PSO 5** – Through the understanding of Panchavayav style of ancient justice, the development of intelligence in the student to differentiate between eternal moral points and unethical inhuman misdeeds.
- **PSO 6** – By pursuing the course presented, spiritual attitude develops in the student, due to which he gets oriented towards good knowledge, goodwill, virtue and good deeds.

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Two Years
विषय- दर्शनशास्त्र

एम.ए. - दर्शन पाठ्यक्रम के सामान्य नियम

- ❖ प्रस्तुत पाठ्यक्रम दो वर्ष का होगा, जिसमें चार सत्र होंगे।
- ❖ प्रत्येक सत्र में चार प्रश्नपत्र होंगे, किन्तु अन्तिम सत्र में पाँचवाँ प्रश्नपत्र वैकल्पिक रूप से लघु शोध प्रबन्ध/निबन्ध परक होगा।
- ❖ प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा।
- ❖ प्रत्येक पत्र में 30 अंकों की आन्तरिक एवं 70 अंकों की बाह्य परीक्षा होगी।
- ❖ परीक्षा का माध्यम इच्छानुसार हिन्दी/संस्कृत/अंग्रेजी होगा।
- ❖ प्रत्येक परीक्षा का निर्धारित समय 3 घण्टे होगा।
- ❖ परीक्षा में 50% अंक प्राप्त करने वाले छात्र को ही उत्तीर्ण माना जायेगा।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 1

Paper - 1

vaidika sāhitya evam sāṃkhya-yoga-1

Paper Code - MD-101

Course Objectives-

- 1- *yoga evam sāṃkhya ke maulika siddhāntom se avagata karānā /*
- 2- *yoga va sāṃkhya ke sūtrartha evam bhāṣyārtha kā bodha karānā /*
- 3- *veda meṃ pratipādita mukhya siddhāntom se paricita karavānā /*
- 4- *veda va veda se sambandhita sāhityom kā jñāna karānā /*

खण्ड (क) वैदिक साहित्य का परिचय-

- 35

विषय -

- वैदिक साहित्य का परिचय
- वेदों की रचना - अपौरुषेय या पौरुषेय (तुलनात्मक अध्ययन)
- वेदों में बहुदेवतावाद, एकेश्वरवाद (तुलनात्मक अध्ययन)
- वेद एवं उपनिषदों में सृष्टिरचना विषय।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका

प्रकाशक- आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट- 427, गली मन्दिर वाली, नया बांस, दिल्ली-110006

खण्ड (ख) सांख्य-योग दर्शन- 1

- 35

सांख्यदर्शन- प्रथम अध्याय (विज्ञानभिक्षु भाष्य सहित)

विषय- त्रिविधदुःख, 25 तत्त्वों का निरूपण, भगवद् प्राप्ति हेतु तीन प्रकार के अधिकारी, प्रत्यक्ष, अनुमान व शब्द प्रमाण का निरूपण, चेतन पर्यन्त भोगप्राप्ति, प्रकृति की परार्थता, शरीरादि से भिन्न पुमान्, पुरुष बहुत्व, अद्वेतवाद का खण्डन, साक्षित्व निरूपण, नित्यमुक्तत्व इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- सांख्यदर्शन- (विज्ञानभिक्षु भाष्य सहित)

प्रकाशन- चौखम्भा प्रकाशन, पोस्ट बाक्स नं.- 1150 के. 37/116, गोपाल मन्दिर लेन, वाराणसी-221001

योगदर्शन - समाधिपाद (व्यासभाष्य सहित)

विषय- योग का स्वरूप, पञ्चवृत्तियाँ, द्रष्टा स्वरूप, अभ्यास-वैराग्य, सम्प्रज्ञात, असम्प्रज्ञात-ईश्वर प्रणिधान, ईश्वर का स्वरूप, चार प्रकार की भावनाएँ, समापत्ति, अध्यात्मप्रसाद, ऋतम्भरा प्रज्ञा, निर्बीज समाधि इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- योगदर्शन (व्यासभाष्य सहित)

प्रकाशन- वानप्रस्थ साधक आश्रम, आर्य वन, रोजड़, पत्रालय-सागपुर, जि. साबरकांठा,
गुजरात-383307

खण्ड (ग) उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण

- 30

Course Outcomes-

- 1- *chātra yoga evam sākhyā ke maulika siddhāntom kā vyākhyāna karane mem samartha ho jātā hai /*
 - 2- *yoga va sāṃkhya ke sūtrartha evam bhāṣyārtha kā bodha karane va karāne mem kuśala va samagra drṣṭikoṇa vālā hokara samāja mem unakā pracāra-prasāra karane mem samartha ho jātā hai /*
 - 3- *veda mem pratipādita mukhya siddhāntom kā paricaya karake vaidika va avaidika jīvana mūlyom kā bheda karane mem sakṣama ho jātā hai /*
 - 4- *veda va vedā se sambandhita sahityom ke samyak bodha dvārā ārṣa va anārṣa sāhityom kā vivecana karane mem samartha ho jātā hai /*
 - 5- "yogaḥ samādhiḥ samādhiḥ samādhānām" arthāt vidyārthī yoga evam sāṃkhya darśana ke maulika siddhāntom ke sātha sarvātmanā ekātma hokara yogadharma va ātmadharma mem pratiṣṭhita rahate hue sanātana dharma ko rāṣṭradharma va viśvadharma ke rūpa mem sthāpita karane mem apanī mahatvapūrṇa bhūmikā nibhātā hai /
 - 6- *veda evam vaidika sāhityom ko gūḍhaḥ rahasyom kā bodha kara vidyārthī īśvara ke viśvamaya va viśvātīta svarūpa kā sahaja dhyāna va sākṣāt karate hue samāja, rāṣṭra va viśvakalyāṇa hetu pratibaddha rahatā hai /*
 - 7- *jīvana mem bhāvanāom aura vicārom ke mahatva ko samajhakara apane tathā saba ke lie hitakārī bhāvom aura vicārom ko uṭhākara svayam tathā samāja kā kalyāṇa karane mem samartha ho jātā hai /*
- सहायक ग्रन्थ-** भारतीय दर्शन (डॉ राधा कृष्णन्), भारतीय दर्शन का इतिहास-प्रथम भाग (डॉ जयदेव वेदालंकार)। सांख्यदर्शन-विद्योदय भाष्य सहित, (आचार्य उदयवीर शास्त्री-प्रकाशक-विजयकुमार हासानन्द- 4408, नई सड़क दिल्ली- 110006), सांख्यदर्शन भाष्य (ब्रह्ममुनि जी), वैदिक दर्शन (बलदेव उपाध्याय), वैदिकमुनि भाष्य, सांख्यदर्शन - (आचार्य आनन्द प्रकाश), भोजवृत्ति - (महाराज भोजदेव)।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 1

Paper - 2

nyāya-vaiśeṣika-1

Paper Code - MD-102

Course Objectives-

- 1- *nyāya va vaiśeṣika ke siddhāntoऽपि kā avabodha karānā /*
- 2- *nyāya va vaiśeṣika ke sūtrartha va bhāṣyārtha ko sahaja evam sugama rīti se hṛdayaghaõma karānā /*
- 3- *nyāya va vaiśeṣika ke siddhāntoऽपि ke sādharmya va vaidharmya se avagata karānā /*
- 4- *nyāya va vaiśeṣika ke siddhāntoऽपि ke mādhyama se dharmasattā (yogasattā) ko arthasattā va rājasattā se bhī adhika gaurava dilāne hetu śreṣṭha vyakti, caritra va netṛtva taiyāra karanā /*

खण्ड (क) न्याय दर्शन

- 30

प्रथम अध्याय (वात्स्यायनभाष्य सहित)

विषय - तर्क पर्यन्त षोडश पदार्थों का उद्देश्य व लक्षण निरूपण, दोष, प्रवृत्ति जन्मदुःख निरूपण, तत्त्वज्ञान-स्वरूप निर्देश, शास्त्र की त्रिविध प्रकृति, प्रतयक्ष अनुमान-उपमान शब्द लक्षण, आत्मानुमापक हेतुओं की व्याख्या, शरीरइन्द्रिय-भूत, अर्थ व बुद्धि का लक्षण व निरूपण, अपवर्ग लक्षण, मोक्ष में नित्यसुख अभिव्यक्ति का पूर्व पक्ष तथा उसका समाधान, दृष्टान्त सिद्धान्त लक्षण निरूपण, तर्क की तत्त्वज्ञानार्थता। पञ्चावयव व विभाग निरूपण, वातजल्पवितण्डा, हेत्वाभास निरूपण, छल लक्षण, छल के भेद, जातिनिग्रहस्थान निरूपण इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- न्याय दर्शन (वात्स्यायनभाष्य सहित)

प्रकाशन- चौखम्भा संस्कृत भवन, पोस्ट बाक्स नं.- 1160 चौक, चित्रा सिनेमा के सामने (बैंक ऑफ बड़ौदा बिल्डिंग) वाराणसी-221001

खण्ड (ख) वैशेषिक दर्शन

- 25

प्रथम अध्याय- धर्म का स्वरूप, द्रव्यादि षट् (द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष समवाय) पदार्थों का तत्त्वज्ञान निःश्रेयस का साधन कैसे? गुणों व कर्मों का उद्देश, द्रव्यादि षट्पदार्थों का साधर्म्य-वैधर्म्य से निरूपण, कारण के अभाव से कार्य का अभाव, सत्ता व सत्ता सामान्य का लक्षण, गुणत्व गुणों से भिन्न, कर्मत्व कर्मों से भिन्न है इत्यादि।

द्वितीयाध्याय- पृथ्वी, जल, तेज व वायु का लक्षण, आकाश में रूपादि गुण नहीं, परमाणु नित्य है, वायु नाना है, सृष्टि संहार विधि, आकाश द्रव्य है, एक है, नित्य है। वस्त्र में पुष्पादिगन्ध औपाधिक,

उष्णता-तेज में नैर्णीक है, शीतता-जल में नैसर्गिक है, काल द्रव्य है, नित्य है, एक है, दिशा का लक्षण, नित्यत्व, एकत्व, भेद औपाधिक, दिक् प्रकरण, शब्द प्रकरण निरूपण इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- वैशेषिक दर्शन (प्रशस्तपादभाष्य सहित)

प्रकाशन- चौखम्बा संस्कृत संस्थान, पोस्ट बाक्स नं.- 1139 के. 37/116, गोपाल मन्दिर लेन, गोलघर, वाराणसी-221001

खण्ड (ग) - न्यायसिद्धान्तमुक्तावलि। (अनुमान खण्ड)।

-15

विषय- परामर्श, करण, व्याप्ति, पक्ष व हेत्वाभास आदि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- न्यायसिद्धान्तमुक्तावलि-विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्यविरचिता

प्रकाशक- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, के. 37/117, गोपालमन्दिर लेन, पो. बा. नं. 1129, वाराणसी-221001

खण्ड (घ) उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन।

- 30

Course Outcomes-

1- *chātra nyāya va vaiśeṣika ke maulika siddhāntoṁ ko bhalibhāṣṭi jānakara use abhivyakta karane meṁ samartha ho jātā hai /*

2- *nyāya va vaiśeṣika ke sūtrartha va bhāṣyārtha ko sahaja evaṁ sugama rīti se bodha karāne lagatā hai /*

3- *nyāya va vaiśeṣika ke siddhāṇtoṁ ke sādharmya va vaidharmya ke jñāna se siddhāṇtoṁ kā samīkṣātmaka vivecana karane meṁ sakṣama ho jātā hai /*

4- *r̥ṣi cetanā va bhāgavata cetanā se yukta citta hone ke kāraṇa isa vidyā kā laukika (abhyudaya) evaṁ sarvopari alaukika (niḥśreyas) lābha prāpta karane va karāne meṁ samartha ho jātā hai /*

5- *vaiśeṣika ke padārthadhरma ke bodha se āyurveda ke vāta-pitta-kapha ke udbhava va śamana ityādi siddhāṇtoṁ ko samajhane ke yogya ho jātā hai /*

6- *nyāya va vaiśeṣika ke siddhāntoṁ ke bodha se nivṛttimūlaka pravṛtti, abhyudayamūlaka niḥśreyas va saṁskṛtimūlaka samṛddhi ke dvārā loka kalyāṇa karatā huā vaiśvika ādhyātmika sāmrājya ko pratiṣṭhiāpita karane hetu saṁkalpita ho jātā hai /*

सहायक ग्रन्थ- न्यायदर्शन- (विद्योदयभाष्य सहित आचार्य उदयवीर शास्त्री), न्यायकुसुमांजलि (आचार्य उदयन), न्यायदर्शन (डॉ. राधाकृष्णन्), न्यायवार्तिक (वाचस्पति मिश्र), दुष्टिराजशास्त्री। (विद्योदयभाष्य सहित आचार्य उदयवीर शास्त्री), आनन्दभाष्य सहित (आचार्य आनन्दप्रकाश)।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 1

Paper - 3

vedānta-mīmāṃsā-1

Paper Code - MD-103

Course Objectives-

- 1- *vedānta va mīmāṃsā ke maulika siddhāṃtōm se paricaya karānā /*
- 2- *vedānta ke prathama adhyāya ke sūtrartha evam bhāṣyārtha se adhyetā ko avagata karānā /*
- 3- *vedānta ke siddhāṃtōm meṃ samanvayātmaka dṛṣṭi kā bodha karānā /*
- 4- *mīmāṃsā ke tarkapāda ke sūtrartha va bhāṣyārtha kā akṣaraśāḥ bodha karānā /*
- 5- *vedānta evam mīmāṃsā ke mādhyama se mūrtta-amūrtta, dṛṣṭa-adṛṣṭa, jñāta-ajñāta satyom tathā bhautikatā va ādhyātmikatā ke prati eka samagra evam vivekapūrṇa dṛṣṭikoṇa kā vikāsa karānā /*

खण्ड (क) वेदान्त दर्शन- 1 – 35
 (ब्रह्मसूत्र)- प्रथम अध्याय

विषय- ब्रह्मनिरूपण, जीवात्मा निरूपण, ब्रह्म और जीव में भेद, जगदुत्पत्ति में परमात्मा निमित्त कारण, परमात्मा के अधीन प्रकृति उपादान कारण, परमात्मा की विभिन्न नामों से उपासना, उपासना व वेदाध्ययन में सब वर्णों का अधिकार इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- वेदान्त दर्शन- ब्रह्मुनिभाष्य सहित

प्रकाशक- माता तुलसादेवी हुकमचन्द्र धर्मार्थ आर्ष साहित्य प्रकाशन, हिसार, (हरियाणा)

खण्ड (ख) मीमांसा दर्शन- 1 – 35

मीमांसा दर्शन- प्रथम अध्याय प्रथम पाद (शाबरभाष्य सहित)

विषय- मीमांसा शब्द का अर्थ, धर्म का लक्षण, “चोदनालक्षणोऽर्थः धर्मः”, धर्म, विषयक जिज्ञासा- “अथातोधर्म जिज्ञासा”, धर्म का प्रमाण-(वेद), देहातिरिक्त आत्मा का अस्तित्व।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- मीमांसादर्शन (शाबरभाष्य सहित)

प्रकाशक- युधिष्ठिर मीमांसक, बहालगढ़, जिला- सोनीपत, हरियाणा।

खण्ड (ग) उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन। – 30

Course Outcomes-

- 1- *chātra vedānta va mīmāṃsā ke maulika siddhāntom vivecana va vyākhyāna karane mem samartha ho jātā hai /*
- 2- *vedānta ke sūtra va bhāṣya ke tātparya ko samajhāne ke yogya ho jātā hai /*
- 3- *vedānta ke vāstavika siddhāntom ke paricaya se upaniṣadom mem pratīyamāna virodhābhāṣom ke samanvaya karane mem samartha ho jātā hai /*
- 4- *mīmāṃsā ke tarkapāda ke samyak bodha dvārā vaidika śabdom ke śabdārtha bodha ko karane va karāne mem sakṣama ho jātā hai /*
- 5- *samasta bhāratīya darśana va anya deśom kī saṃskṛtiyom mem sarvatra brahma (īśvara) kā varṇana atah vidyārthī īśvara kī mahimā ko samajhakara rāṣṭravādī, ādarśavādī va adhyātmavādī jīvana paddhati ko jīne ke lie saṃkalpita ho jātā hai /*
- 6- *vedānta mem varṇita brahmatatva kī sarvopari mahimā ko jānakara bhagavān va bhagavān ke vidhāna ke saṃdarbha mem nirbhrānta hotā huā ajñāna va ajñāna janita samasta duḥkha va daridratā se mukta pūrṇa sukhī va samṛddha, bhautika evaṁ ādhyātmika vaibhavayukta jīvana jīne mem samartha ho jātā hai tathā dūsarom ko aisā jīvana jīne ke lie prerita karatā hai /*

सहायक ग्रन्थ- वेदान्त दर्शन- वैदिकमुनिभाष्य, (विद्योदय भाष्य सहित आचार्य उदयवीर शास्त्री, प्रकाशक-विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली-110006), ब्रह्ममुनिभाष्य, शांकरभाष्य। शाबरभाष्य व्याख्या -पं. युधिष्ठिर मीमांसक, मीमांसापरिभाषा, अर्थसंग्रह- (लौगाक्षि भास्कर)।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 1

Paper - 4

vaidiketara darśana-1

Paper Code - MD-104

Course Objectives-

- 1- *samasta bhāratīya darśana sampradāyom ke saṃgrahakarttā mādhavācārya jī ke jīvana paricaya se avagata karānā /*
- 2- *cārvāka darśana ke mūla siddhāntom va vicārom kā bodha karavānā /*
- 3- *bauddha darśana kī mūla mānyatāom, sampradāyom va upadeśom se paricita karānā /*
- 4- *jaina darśana kī mahattā va mokṣa ke viṣayom se chātrem ko paricita karāte hue anya darśanom se isakī viśiṣṭatā kā bodha karānā /*

खण्ड (क) माधवाचार्य के सर्वदर्शन संग्रह से चयनित दर्शन।

चार्वाक दर्शन	-10
बौद्ध दर्शन,	-30
जैन दर्शन,	-30

खण्ड (ख) उपर्युक्त ग्रन्थों की आन्तरिक परीक्षा। -30

Course Outcomes-

- 1- *chātra samasta bhāratīya darśana sampradāyom ke saṃgrahakarttā mādhavācārya jī kī kṛti sarvadarśanasamgraha ke bodha se sampūrṇa dārśanika siddhāntom ko samajhāne mem sakṣama ho jātā hai /*
- 2- *cārvāka darśana ke mūla siddhāntom va vicārom ke samīkṣātmaka bodha se bhogavāda se uparata hokara adhyātmavāda kī ora unmukha ho jātā hai /*
- 3- *bauddha darśana kī mūla mānyatāom va upadeśom ke jñāna se svayam va dūsarom ke duḥkhom ko dūra karane mem pravṛtta ho jātā hai /*
- 4- *jaina darśana ke siddhāntom se avagata hokara amṛhisā, satya, sadācāra va samyamayukta hokara jagat ke hita mem tatpara ho jātā hai /*
- 5- *samasta bhāratīya evam pāscātya darśanom ke samyak bodha se vidyārthī sampūrṇa astitva ke mūla ādhāra, karttā, niyatā va saṃhartā paramātmā, jisa tatva se isa pūre astitva kī racanā karatā hai vaha prakṛti hai tathā jisake lie yaha sārī racanā karatā hai vaha hama saba ātmāyem haim / ina tīnom tatvom*

*kā yathārtha bodha arthāt traitavāda ko jānakara sabake prati dharmānusāra, yathāyogya va prītipūrvaka
ācaraṇa-vyavahāra karane meṁ samartha ho jātā hai /*

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- सर्वदर्शन संग्रह (माध्वाचार्यविरचितम्)

प्रकाशक-चौखम्बा विद्याभवन, चौक (बैंक ऑफ बड़ौदा भवन के पीछे), वाराणसी-221001

सहायक ग्रन्थ - भारतीय दर्शन का इतिहास, डॉ दास गुप्ता, भारतीय दर्शन - डॉ राधा कृष्णन्।

भारतीय दर्शन का इतिहास (चतुर्थ भाग), डॉ जयदेव वेदालंकार।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 2

Paper - 1

sāṃkhyā-yoga-2

Paper Code - MD-201

Course Objectives-

- 1- *sāṃkhyā kī sṛṣṭi vidyā va yogadarśana ke kriyāyoga va aṣṭāṅgayoga kā viśeṣa bodha karānā /*
- 2- *sāṃkhyā ke dvitīya adhyāya va yoga ke sādhanapāda ke sūtrartha va bhāṣyārtha ko sahajatā se hṛdayaghaõma karānā /*
- 3- *sāṃkhyakārikā ke artha evam gauḍapāda bhāṣya ko saralatama vidhā se avagata karānā /*

खण्ड (क) सांख्यदर्शन -2 -30

द्वितीय अध्याय (विज्ञानभिक्षुभाष्य सहित)

विषय- बहुश्रुत महिमा, सृष्टि प्रयोजन, महतत्व के लक्षण का कथन, अहंकार लक्षण, अहंकार कार्य, इन्द्रियों के भौतिकत्व का खण्डन, ज्ञानेन्द्रियों व कर्मेन्द्रियों के विषयों का कथन, बुद्धि की प्रधानता।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- सांख्यदर्शन (विज्ञानभिक्षुभाष्य सहित)

प्रकाशन- चौखम्भा प्रकाशन, पोस्ट बाक्स नं.- 1150 के. 37/116, गोपाल मन्दिर लेन, वाराणसी-221001

खण्ड (ख) सांख्यकारिका - 01 से 72 तक (गौडपाद भाष्य सहित) -20

विषय- सांख्य प्रतिपादित ज्ञान की उपादेयता, प्रमेयभूत 25 तत्वों का परिचय, त्रिविधि प्रमाणों का निरूपण, विद्यमान पदार्थ की उपलब्धि व अनुपलब्धि में हेतु, गुणों का स्वरूप निरूपण, पुरुष बहुत्वम्, द्विविधा सृष्टि, बुद्धि का प्राधन्य सूक्ष्म शरीर निरूपण, बुद्धि सर्ग निरूपण, 28 अशक्ति, नवधा तुष्टि व आठ प्रकार की सिद्धियों का वर्णन, पुरुष के मोक्ष के लिए प्रकृति की प्रवृत्ति, तत्वाभास से ज्ञानोदय, सम्यक ज्ञान से मुक्ति।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- सांख्यकारिका (गौडपाद भाष्य सहित)

प्रकाशक- 41 यू.ए. बंगलो रोड, जवाहर नगर, दिल्ली-110007,
अशोक राजपथ, पटना-800004 एवं चौक, वाराणसी-221001

खण्ड (ग) योग दर्शन -20

साधनपाद, व्यासभाष्य सहित

विषय- क्रियायोग, पञ्च क्लेश, अविधि का स्वरूप, दृश्य व दृष्टा का स्वरूप, हेय-हेयहेतु, हान-हानोपाय, अष्टाङ्ग योग एवं उसका फल, प्राणायाम निरूपण, प्रत्याहार निरूपण इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- योगदर्शन (व्यासभाष्य सहित)

प्रकाशन- वानप्रस्थ साधक आश्रम, आर्य वन, रोजड़, पत्रालय-सागपुर, जि. साबरकांठा,
गुजरात-383307

खण्ड (घ) उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन।

-30

Course Outcomes-

- 1- *sāṃkhya kī sṛṣṭi vidyā ke bodha se piṇḍa va brahmāṇḍa meṁ sāmāṇjasya sādhakara vyavahāra karane meṁ dakṣa ho jātā hai /*
- 2- *kriyāyoga ke višeṣa bodha se durvicāra, durbhāvanā va duṣkarmoṁ se nivṛtta hokara sadvicāra, sadbhāvanā va satkarma meṁ pravṛtta ho jātā hai /*
- 3- *aṣṭāṅgayoga ke jñāna se chātra divya caritra, divya vyaktitva va divya netṛtva se yukta ho jātā hai /*
- 4- *sāṃkhya-kārikā ke bodha se sāṃkhya ke samasta siddhāṇṭoṁ ko samajhane va samajhāne meṁ sakṣama ho jātā hai /*
- 5- *sāṃkhya evam yoga ke sūtrem ko ātmasāt kara vidyārthī, mithyā ākarṣaṇoṁ se mukta hokara pūrṇa vivekī jīvana se āhāra-vicāra-vāṇī-vyavahāra-svabhāva tathā jīvana ke pratyeka saṃdarbha meṁ sahī vikalpa kā cunāva kara eka svastha, sukhī, saphala, śāntimaya va ānandamaya jīvana jītā huā dūsarōṁ ko bhī jīne ke lie prerita karatā hai /*

सहायक ग्रन्थ- सांख्यदर्शन-विद्योदय भाष्य सहित, (आचार्य उदयवीर शास्त्री-प्रकाशक-विजयकुमार हासानन्द- 4408, नई सड़क दिल्ली- 110006), दयानन्द दर्शन (स्वामी सत्यप्रकाश) अनुवादक रूपचन्द दीपक, सांख्यदर्शनभाष्य (ब्रह्ममुनि जी), वैदिक दर्शन (बलदेव उपाध्याय), वैदिकमुनिभाष्य, सांख्यदर्शन - (आचार्य आनन्दप्रकाश), भोजवृत्ति - (महाराज भोजदेव)।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 2

Paper - 2

nyāya-vaiśeṣika-2

Paper Code - MD-202

Course Objectives-

- 1- *nyāya ke pramāṇavāda va vaiśeṣika ke paramāṇuvāda se paricita karānā /*
- 2- *nyāya ke dvitīya adhyāya va vaiśeṣika ke caturtha evam pañcama adhyāya ke sūtrarthā evam bhāṣyārtha ko saralatama rīti se avabodha karānā /*
- 3- *nyāyasiddhāntamuktāvalī ke katipaya prasaghaōm se avagata karānā /*
- 4- *vividha dhārmika, ādhyātmika, sāṃskṛtika va sāṃpradāyika paramparāōm para ādhārita sārvabhaumika va vajñānika satyom se avagata karānā /*

खण्ड (क) न्याय दर्शन

-25

द्वितीय अध्याय- वात्स्यायनभाष्य सहित

विषय- संशय का लक्षण एवं परीक्षा, अनुमान परीक्षा प्रकरण, अर्थवाद, अनुवाद एवं विधिवाक्य निरूपण, प्रमाण चतुष्टय की अनुपपत्ति का पूर्वपक्ष, व्यक्ति, आकृति, जाति पदार्थवाद का निरूपण इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- न्यायदर्शन, वात्स्यायनभाष्य सहित

प्रकाशन- चौखम्भा संस्कृत भवन, पोस्ट बाक्स नं.- 1160 चौक, चित्रा सिनेमा के सामने (बैंक ऑफ बड़ौदा बिल्डिंग) वाराणसी-221001

खण्ड (ख) न्यायसिद्धान्तमुक्तावलि

-10

शब्दबोध, शक्तिग्रह उपाय अभिधा चतुर्विध शब्दभेद लक्षणा, तात्पर्यज्ञान।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली- पं. विश्वनाथ विरचितः।

प्रकाशक- चौखम्भा प्रकाशन, पोस्ट बाक्स नं.- 1150, के. 37/116, गोपाल मन्दिर लेन, गोलघर, समीप मैदागिन), वाराणसी-221001

खण्ड (ग) वैशेषिक दर्शन-

-25

तृतीय व चतुर्थ अध्याय- (प्रशस्तपादभाष्य सहित)

विषय- इन्द्रियों के विषय, ज्ञानादिगुण-भौतिक देह के नहीं, हेत्वाभासों का निर्देश, मन की सिद्धि, आत्मा का लक्षण, आत्मा केवल आगमबोध्य नहीं, आत्मप्रकरण, कारण से कार्य का अनुमान मूल उपादान को अनित्य कहना अज्ञान है, गुणों का प्रत्यक्ष, गुण वैधम्य प्रकरण, रूप, रस गन्ध स्पर्श प्रकरण योनिज व अयोनिज दो प्रकार के शरीर, पृथ्वी के कार्य के भेद इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- वैशेषिक दर्शन- (प्रशस्तपादभाष्य सहित),
 प्रकाशन- चौखम्भा संस्कृत संस्थान, पोस्ट बाक्स नं.- 1139 के. 37/116, गोपाल मन्दिर लेन,
 गोलघर, वाराणसी-221001

खण्ड (घ) तर्कसंग्रह	-10
खण्ड (ङ) उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण एवं लेखन।	-30

Course Outcomes-

- 1- nyāya ke pramāṇavāda ke adhyayana se chātra, tarka, tathya va yukti pūrvaka satya va asatya kā vivecana karane mem̄ samartha ho jātā hai /
- 2- vaiśeṣika ke paramāṇuvāda ke bodha se padārtha kī bāhya va āṁtarika saṁracanā ko samajhane va samajhāne mem̄ samartha ho jātā hai /
- 3- nyāyasiddhāṁtamuktāvalī ke śabdabodha, śaktigraha upāya ityādi prasamgoṁ kā vivecana karane mem̄ sakṣama ho jātā hai /
- 4- nyāya va vaiśeṣika ke pramukha siddhāntoṁ ke bodha se svārtha, saṁkīrṇatā va rūḍhiḥvādī durāgrahom̄ ko tyāgakara mānavīya mūlyoṁ tathā saṁvedanāoṁ ke ādhāra para dharmādi kī vajjñānika vyākhyā karane mem̄ sakṣama ho jātā hai /
- 5- nyāya va vaiśeṣika darśana ke adhyayana se jīvana kā samyak bodha prāpta karake vaiyaktika, pārivārika, sāmājika, ārthika, rājanaitika va vaiśvika viśayoṁ ko lekara prāpta hone vāle vibhinna prakāra ke antardvandom̄ se mukta hokara bhautikatā va ādhyātmikatā ke bīca saṁtulana sthāpita karane mem̄ samartha ho jātā hai /
- 6- prastuta pāthyakrama ke adhyayana se chātra, samasta mānavīya durbalatāoṁ se mukta hokara mana, vāṇī va śarīra se hone vāle pāpakarmoṁ se baca jātā hai tathā kārya-kāraṇa siddhānta ko jītā huā "na, karmakartṛsādhanavaiguṇyāt" ke akāṭya niyama ko samajhakara atyanta sukhadāyī, ādhyātmika evam̄ vaibhavaśālī jīvana va rāṣṭra ke nirmāṇa mem̄ apanā sahayoga pradāna karatā hai /

सहायक ग्रन्थ- न्यायदर्शन- (विद्योदयभाष्य सहित आचार्य उद्यवीर शास्त्री), न्यायकुसुमांजलि (आचार्य उद्यन), न्याय दर्शन (डॉ राधाकृष्णन्), न्यायवार्तिक (वाचस्पति मिश्र), दुष्टिराजशास्त्री। आनन्दभाष्य सहित (आचार्य आनन्दप्रकाश)।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 2

Paper - 3

vedānta-mīmāṃsā-2

Paper Code - MD-203

Course Objectives-

- 1- *vedāntadarśana ke dvitīya adhyāya ke sūtrartha va bhāṣyārtha se avagata karānā /*
- 2- *mīmāṃsā nyāya prakāśa ke katipaya pramukha siddhāntom ko hṛdayaghaõma karānā /*
- 3- *vedānta meṃ varṇita vaidika va avaidika siddhāntom se paricita karavānā /*
- 4- *sadā brahmabhāva, ucca cetanā, ātmacetanā va ṛṣicetanā meṃ jīne kā abhyāsa karānā /*

खण्ड (क) वेदान्त दर्शन

-35

(ब्रह्मसूत्र) द्वितीय अध्याय (ब्रह्ममुनिभाष्य सहित)

विषय- जीवात्मा के कर्म वैचित्र्य से जगत वैचित्र्य, परमात्मा को हस्त आदि करणों की अपेक्षा नहीं, असत्कारणवाद निराकरण, साकार ईश्वरवाद का खण्डन, भूतों व मन सहित इन्द्रियों की उत्पत्ति व लय का क्रम, जीवात्मा अनुत्पत्तिधर्मा, नित्यचेतन, अल्पज्ञ, अणु, कर्मकर्ता भोक्ता च, शरीर, प्राण व इन्द्रियों का उत्पत्तिकर्ता ईश्वर।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- वेदान्त दर्शन (ब्रह्मसूत्र), (ब्रह्ममुनिभाष्य सहित)

प्रकाशक- माता तुलसादेवी हुकमचन्द्र धर्मार्थ आर्ष साहित्य प्रकाशन, हिसार, (हरियाणा)

खण्ड (ख) मीमांसा न्याय प्रकाश-1

-35

मीमांसान्यायप्रकाश (पूर्वार्द्ध)- आपदेव विरचित

विषय- धर्मलक्षण, विविध, भावना, वेदापौरुषेयत्व, वेद विभाग, विधि निरूपण, गुणविधि निरूपण, वाजपेयाधिकरण, गुणकर्माधिकरण, विधि भेद, वाक्यनिरूपण, प्रकरण निरूपण।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- मीमांसान्यायप्रकाश- आपदेव विरचित न्यायबोधिनीहिन्दीव्याख्या सहित।

प्रकाशक- चौखम्भा संस्कृत संस्थान, पो. बाक्स नं.-1139, के. 37/116, गोपाल मन्दिर लेन (गोलघर समीप मैदान), वाराणसी-221001

खण्ड (ग) उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण एवं लेखन।

-30

Course Outcomes-

- 1- *chātra vedāntadarśana ke dvitīya adhyāya ke sūtrartha va bhāṣyārtha kā vācana va vyākhyāna karane mem̄ samartha ho jātā hai /*
- 2- *mīmāṃsā nyāya prakāśa ke dharmalakṣaṇa, vedāpauruṣeyatva, vedavibhāga ityādi pramukha siddhāṃtōm̄ kā vivecana va upadeśa karane mem̄ yogya ho jātā hai /*
- 3- *vedāṃta ke vaidika va avaidika siddhāṃtōm̄ kī samīkṣā karane mem̄ sakṣama ho jātā hai /*
- 4- *prastuta pāṭhyakrama ke adhyayana se saba prakāra ke mithyājñāna-ajñāna yā bhrāntiyom̄ se mukta hokara ātmā, paramātmā va prakṛti ke yathārtha svarūpa ko samajhakara apanā abhyudaya va niḥśreyasa pūrṇa rūpa se siddha karane mem̄ samartha ho jātā hai /*
- 5- *vedānta darśana ke adhyayana se śamadamādi ṣaṭkasampatti se yukta ho pramāda rahita hokara tapa, tyāga, balidāna, vīratā, parākrama va puruṣārtha kī parākāṣṭhā ke sātha apane mānava dharma ko nibhāte hue adhyātmaya jīvana va jagat ke nirmāṇa mem̄ sahayoga pradāna karatā hai /*
- 6- *mīmāṃsā-nyāya-prakāśa ke adhyayana se nityakarma, naimittika karma, kāmya karma, yajñādi karma tathā mantreṇ̄ va ṛcāoṇ̄ kī mahimā ke samyak bodha se dharma ke vyāpaka artha, vedoṇ̄ kī mahimā va bhautika saṃsāra mem̄ cala rahe dharmatantra, vicārataṇṭra, śikṣā ādi tantreṇ̄ ke vikāroṇ̄ evaṁ ṣaḍyantrēṇ̄ ko dūra karane kā prayatna karatā huā, pūrṇa samṛddha evaṁ sukhī jīvana jīne mem̄ samartha ho jātā hai /*

सहायक ग्रन्थ- शाबरभाष्य व्याख्या- पं. युधिष्ठिर मीमांसक, मीमांसा परिभाषा, अर्थसंग्रह- (लौगाक्षि भास्कर)। **वेदान्त दर्शन-** वैदिकमुनि भाष्य, (विद्योदय भाष्य सहित आचार्य उदयवीर शास्त्री, प्रकाशक-विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली-110006), ब्रह्ममुनिभाष्य, शांकर भाष्य।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 2

Paper - 4

pāścātya darśana

Paper Code - MD-204

Course Objectives-

- 1- *grīka darśana ke vibhinna sampradāyom kā jñāna karānā /*
- 2- *prasiddha va prācīna pāścātya dārśanikom ke vaicārika siddhāntom ke bheda se avagata karānā /*
- 3- *buddhivādī evam anubhavavādī cintakom va dārśanikom kā paricaya va siddhānta bodha karānā /*
- 4- *pāścātya darśana ke itihāsa se bhalībhāmti paricita karānā /*

प्रश्नपत्र-चतुर्थ- - 70

- (क) (ii) ग्रीक दर्शन (Philosophy)- सुकरात, प्लेटो, अरस्तु ।
 (iii) लॉक, बर्कले और ह्यूम।
- (ख) (i) हेगेल और कान्ट।
 (ii) स्पिनोजा और लाइबनिज।
 (iii) कन्फ्यूसियस का दार्शनिक चिन्तन।
- (ग) पाश्चात्य दर्शन का इतिहास
- (घ) आन्तरिक परीक्षा - 30

Course Outcomes-

- 1- *chātra ko grīka darśana ke vibhinna sampradāyom kā vistṛta jñāna ho jātā hai /*
- 2- *prasiddha va prācīna pāścātya dārśanikom ke vaicārika siddhāntom kā tulanātmaka vivecana karane meṁ sakṣama ho jātā hai /*
- 3- *buddhivādī evam anubhavavādī siddhāntom kī samīkṣā va ālokanā karane me samartha ho jātā hai /*
- 4- *pāścātya darśana ke itihāsa ke bodha se pāścātya vicāradhārā ke udbhava va vikāsa kī samīkṣā karane meṁ yogya ho jātā hai /*

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- पाश्चात्य दर्शन- चन्द्रधर शर्मा।

प्रकाशक- मोतीलाल, बनारसीदास, 41 यू.ए. बंगलो रोड, जवाहर नगर, दिल्ली 110007
 चौक, वाराणसी, 221001,
 अशोक राजपथ, पटना- 800004

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 3

Paper - 1

sāṃkhyā-yoga-3

Paper Code - MD-301

Course Objectives-

- 1- *sāṃkhyadarśana ke vairāgyādhyāya va ākhyāyikādhyāya ke sūtrartha evaṁ bhāṣyārtha kā bodha karānā /*
- 2- *yoga darśana ke vibhūtipāda ke sūtrartha evaṁ bhāṣyārtha se avagata karānā /*
- 3- *tatvasamāsa sūtra va sūtravṛtti se paricita karānā /*
- 4- *sādhaka ko yathārtha jñāna se yukta karake pūrṇa yathārthacitta se yoga va kriyāyoga yā karmayoga kā abhyāsa karāte hue adhyātma mārga meṁ nirantara ūrdhva ārohaṇa karānā /*

खण्ड (क) सांख्य दर्शन-3

- 40

तृतीय व चतुर्थ अध्याय- (विज्ञानभिक्षुभाष्य सहित)

तत्त्वसमास सूत्र सर्वोपकारिणी वृत्ति सहित (सांख्यसंग्रह ग्रन्थ से)

विषय- महाभूत उत्पत्ति, संसारावधि का वर्णन, दो प्रकार के शरीरों का वर्णन, लिङ्ग शरीर व्यापारवर्णन, ज्ञान से मोक्ष प्राप्ति, ज्ञान साधनों का वर्णन, प्रधान सृष्टि का प्रयोजन, पुरुष में बन्धन व मोक्ष का आरोप अवास्तिविक, विवेक से कृत्यकृत्यता इत्यादि।

चतुर्थाध्याय- “परिग्रहदुःखे श्येनाख्यायिका” विवेकासाधनचिन्तने बन्ध इत्यत्र भरताख्यायिका, नैराश्ये सुखमित्यत्र पिङ्गला दृष्टान्तः, अनारम्भे सारादाने च दृष्टान्तः, योगचर्याप्रयोजनवर्णनम्, वैराग्योपायावधारणम् इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- सांख्यदर्शन (विज्ञानभिक्षुभाष्य सहित)

प्रकाशन- चौखम्भा प्रकाशन, पोस्ट बाक्स नं.- 1150 के. 37/116, गोपाल मन्दिर लेन, वाराणसी-221001

खण्ड (ख) योग दर्शन-3

- 30

तृतीय पाद (विभूति पाद) व्यासभाष्य सहित।

विषय- धारणा, ध्यान, समाधि व संयम का निरूपण, परिणामत्रय का वर्णन, विभूति वर्णन, उदान, समान प्राण पर संयम करने का प्रतिफल, भूतजय एवं इन्द्रियजय से उत्पन्न सिद्धियों का वर्णन, विवेक ज्ञान का स्वरूप एवं कैवल्य योग इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- योगदर्शन (व्यासभाष्य सहित)

प्रकाशन- वानप्रस्थ साधक आश्रम, आर्य वन, रोजड़, पत्रालय-सागपुर, जि. साबरकांठा,
गुजरात-383307

खण्ड (ग) उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण एवं लेखन।

-30

Course Outcomes-

1- *sāṃkhyya ke vairāgyādhyāya ke adhyayana se saṃyama va sadācāra pūrvaka jīvana jīne kī ora unmukha ho jātā hai /*

2- *sāṃkhyya ke ākhyāyikādhyāya ke adhyayana se gūḍhaऽ tatvajñāna ko sahaja va surucikara ḍhamga se upadeśa karane meṁ sakṣama ho jātā hai tathā viśayabhoga se indriyām̄ kabhī tiptā nahīṁ hoīt haiṁ yaha jānakara tyāga va saṃyamapūrvaka jīvana jīne meṁ samartha ho jātā hai /*
3- *yogadarśana ke vibhūtipāda ke dhāraṇā-dhyāna-samādhī ke jñāna se manakī ekāgratā, vaśīva va saṃkalpaśakti kā lābha samajhane va samajhāne meṁ samartha ho jātā hai tathā pūrṇa tipti, sukha va nirantara akhaṇḍa ānanda kī prāpti karatā huā samāja ko bhī isa ānanda kī prāpti ke lie prerita karatā hai /*

4- *yoga darśana ke vibhūtipāda ke saṃyama se prāpta hone vālī siddhiyoṁ ke jñāna se sūkṣma jagat kī divya anubhūtiyoṁ ko samajhāne meṁ sakṣama ho jātā hai tathā samāja meṁ pūjanīya ho jāne para bhī isase prāpta hone vālī aniṣṭatā ke bodha se nirabhīmānī hokara samāja kī sevā karane meṁ sakṣama ho jātā hai /*

सहायक ग्रन्थ- सांख्यदर्शन-विद्योदय भाष्य सहित, (आचार्य उदयवीर शास्त्री-प्रकाशक-विजयकुमार हासानन्द-4408, नई सड़क दिल्ली- 110006), सांख्यदर्शन भाष्य (ब्रह्ममुनि जी), वैदिक दर्शन (बलदेव उपाध्याय), वैदिकमुनिभाष्य, सांख्यदर्शन - (आचार्य आनन्दप्रकाश), भोजवृत्ति - (महाराज भोजदेव)।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 3

Paper - 2

nyāya-vaiśeṣika-3

Paper Code - MD-302

Course Objectives-

- 1- *nyāyadarśana ke tṛtīya adhyāya ke sūtrartha evam bhāṣyārtha kā bodha karānā /*
- 2- *vaiśeṣika darśana ke pāx̄cama, ṣaṣṭha va saptama adhyāyom ke sūtrartha evam praśastapāda bhāṣyārtha se avagata karānā /*
- 3- *nyāyadarśana ke ātmā, śarīra, indriya, artha, buddhi va mana nāmaka prameyom se avagata karānā /*
- 4- *utkṣepaṇādi karmom, vaidika karma va guṇa parīkṣā prakaraṇa se paricita karānā /*

खण्ड (क) न्याय दर्शन

- 40

तृतीय अध्याय- वात्स्यायनभाष्य सहित

विषय- इन्द्रियशरीर आदि से व्यतिरक्त आत्मा का निरूपण, आत्मनित्यत्व परीक्षा, शरीर परीक्षा प्रकरण, इन्द्रिय परीक्षा प्रकरण, अर्थ परीक्षा प्रकरण, मन के अविभुत्व का उपपादन, बुद्धि के आत्मगुणत्व की परीक्षा, आत्मा में इच्छादि गुणों के समवाय का प्रतिपादन, स्मृति के निमित्तों का विवरण, मनः परीक्षा प्रकरण, शरीर की उत्पत्ति में अदृष्ट की कारणता का उत्पादन इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- न्यायदर्शन- वात्स्यायनभाष्य सहित,

प्रकाशन- चौखम्भा संस्कृत भवन, पोस्ट बाक्स नं.- 1160 चौक, चित्रा सिनेमा के सामने (बैंक ऑफ बड़ौदा बिल्डिंग) वाराणसी-221001

खण्ड (ख) वैशेषिक दर्शन

पञ्चम, षष्ठ व सप्तम अध्याय- (प्रशस्तपादभाष्य सहित)

- 30

विषय- पृथ्वी के समान जल तेज और वायु में कर्म, सुखादि की उत्पत्ति के कारण, योग का स्वरूप, मोक्ष का स्वरूप, दिक्काल, आकाश, गुण व कर्म में क्रियाहीनता, कर्म पदार्थ निरूपण, समवायी असमवायी कारण इत्यादि।

षष्ठाध्याय- वेदों में वाक्य रचना ज्ञानपूर्वक, वेदों में दानक्रिया बुद्धिपूर्वक, निषिद्ध भोजन से वैदिक सत्कर्मों द्वारा भी अभ्युदय नहीं, अन्यों को कष्ट देकर प्राप्त उपभोग दोषपूर्ण, समाज में पारस्परिक सहयोग का आधार, मानव में बुराई भलाई, शुचि और अशुचि का स्वरूप, धर्माधर्म प्रकरण, रागद्वेष का कारण, इच्छाद्वेषप्रयत्न प्रकरण, मोक्ष का उपाय इत्यादि।

सप्तमाध्याय- गुण परीक्षा, पाकज प्रकरण, परिमाण परीक्षा, अणुमहत् व्यवहार, परमाणु निरूपण, परिमाण प्रकरण, पृथक्त्व प्रकरण, संख्या प्रकरण, संयोग प्रकरण, विभागं प्रकरण, परत्वापरत्व प्रकरण, समवाय पदार्थ इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- वैशेषिक दर्शन- (प्रशस्तपादभाष्य सहित),

प्रकाशन- चौखम्भा संस्कृत संस्थान, पोस्ट बाक्स नं.- 1139 के. 37/116, गोपाल मन्दिर लेन, गोलघर, वाराणसी-221001

खण्ड (ग) उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण एवं लेखन।

- 30

Course Outcomes-

- 1- nyāyadarśana ke tṛtīya adhyāya ke adhyayana se chātra ātmā ke nityatva va śarīra, indriya, artha, buddhi va mana ke anityatva ko siddha karane mem sakṣama ho jātā hai /
- 2- vaiśeṣika darśana ke utkṣepaṇa ādi karmom ke jñāna se sthūla va sūkṣma padārthom mem hone vāle kriyāom ke vibhedapūrvaka vyākhyāna karane mem dakṣa ho jātā hai /
- 3- vaiśeṣika ke ṣaṣṭha adhyāya mem varṇita vaidika karmom se upārjita dharmādharmarūpī adr̄ṣṭa ko jānakara sabako duḥkha dene rūpa adharma se nivṛtta hokara sabako sukha dene mem pravṛtta ho jātā hai /
- 4- guṇaparīkṣā prakaraṇa ke bodha se guṇa-guṇī vibhāga karane mem samartha ho jātā hai /
- 5- nyāya va vaiśeṣika ke adhyayana se mithyājñāna va doṣapūrṇa pravṛtti se pūrṇa hokara divya mati va bhakti se yukta kṛti kā sampādana karane mem samartha ho jātā hai /
- 6- nyāya darśana ke tṛtīya adhyāya ke adhyayana se "bhūtom mem cetanatā hai" isa mithyā avadhāraṇā kā tarka-tathya-yukti va pramāṇapūrvaka nirākaraṇa karake sanātana satya kā samrakṣaṇa karane mem samartha ho jātā hai /

सहायक ग्रन्थ- न्यायदर्शन- (विद्योदयभाष्य सहित आचार्य उद्यवीर शास्त्री), न्यायकुसुमांजलि (आचार्य उदयन), न्याय दर्शन (डा० राधाकृष्णन्), न्यायवार्तिक (वाचस्पति मिश्र), द्विष्ठिराजशास्त्री, आनन्दभाष्य सहित (आचार्य आनन्दप्रकाश)।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 3

Paper - 3

vedānta-mīmāṃsā-3

Paper Code - MD-303

Course Objectives-

- 1- *vedānta darśana ke sādhana adhyāya ke sūtrartha evam bhāṣyārtha kā bodha karānā /*
- 2- *mīmāṃsānyāya prakāśa mantra prayojana, apūrva vidhi ādi prakaraṇoṁ se avagata karānā /*
- 3- *vedānta ke jīvātmā ke samsaraṇa, punarjanma ādi prakaraṇoṁ se paricita karānā /*
- 4- *sabhbī prakāra ke karmāśaya aura usake phala, janma, jāti, āyu, bhoga va duḥkham kī pūrṇa nivṛtti va pūrṇatā kī prāpti hetu patha pradarśana karanā /*

खण्ड (क) वेदान्त दर्शन-3

- 35

तृतीय अध्याय - (विज्ञानभिक्षुभाष्य सहित)

विषय- सूक्ष्म शरीर के साथ जीवात्मा का प्रयाण एवं पुनर्जन्म वर्णन, जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति अवस्था का वर्णन, योगाभ्यास से परमात्मतत्त्व की प्राप्ति तथा उसके साथ तादात्म्य सम्बन्ध, ब्रह्म के साथ नितान्त अभेद व विशिष्ट अभेद का खण्डन, जीवात्मा के कर्मफल का प्रदाता परमात्मा, सभी उपनिषदों में केवल एक ब्रह्म ही उपास्य है, देवयान मार्ग से मोक्ष प्राप्ति, सन्न्यास आश्रम ब्रह्म प्राप्ति के लिए, शम, दम आदि साधन के साथ स्वाश्रम कर्मों का अनुष्ठान, सन्न्यासी को अवर आश्रम में लौटने का विकल्प नहीं। मोक्ष प्राप्ति में अनेक जन्मों के प्रतिबन्ध का खण्डन इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- वेदान्त दर्शन (ब्रह्मसूत्र), (विज्ञानभिक्षुभाष्य सहित)

प्रकाशक- माता तुलसादेवी हुकमचन्द्र धर्मार्थ आर्ष साहित्य प्रकाशन, हिसार, (हरियाणा)

खण्ड (ख) मीमांसा न्यायप्रकाश-2

- 35

मीमांसान्यायप्रकाश (उत्तरार्द्ध)

विषय- मंत्र प्रयोजनम्, अपूर्व विधि निरूपण, परिसंख्या कर्म, नामधेय निरूपण, पर्युदास निरूपण, अर्थवाद निरूपण, शाब्दीभावना, आर्थीभावना,

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- मीमांसान्यायप्रकाश- आपदेव-विरचित न्यायबोधिनी-हिन्दीव्याख्यासहित।

प्रकाशक- चौखम्भा संस्कृत संस्थान, पो. बाक्स नं.-1139, के. 37/116, गोपाल मन्दिर लेन (गोलघर समीप मैदागिन), वाराणसी-221001

खण्ड (ग) उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण एवं लेखन।

- 30

Course Outcomes-

- 1- *chātra, vedāṁta bhāṣya ke gūḍha pārtha ko samajhane va samajhāne meṁ samartha ho jātā hai /*
- 2- *vedāṁta darśana kī adhyātma vidyā kā bodha karake vyaktigata jīvana meṁ tapa tathā sāmājika jīvana meṁ udāratāpūrvaka vyavahāra karane lagatā hai /*
- 3- *maṇtra, nāmadheya, arthavāda ādi prakaraṇoṁ ke jñāna se vedoṁ ke vāstavika rahasyoṁ ko udghāṭita karane meṁ sakṣama ho jātā hai /*
- 4- *brahmajñāna ke śreṣṭhatama sādhanabhūta saṁnyāsa āśrama ke bodha dvārā “ātmānaḥ mokṣārthaṁ jagatahitāya ca” kī bhāvanā se ota-prota hokara jagat ke hita (kalyāṇa) meṁ rata ho jātā hai /*
- 5- *prastuta viśayoṁ ke anuśīlana se guru, dharma va bhagavān kī śaraṇāgati meṁ svarūpastha va yogastha hokara sādhana, sādhanā va sādhyā kī satat abhīpsā rakhate hue pūrṇa viveka, vairāgya, saṅkasampatti va mumukṣutva se yukta hokara bhagavān ke viśvamaya va viśvātīsa svarūpa se ekātma hokara lauki unnatipūrvaka ādhyātmika unnati ko prāpta karatā hai /*
- 6- *vedānta ke sādhana adhyāya ke bodha se ātmapreraṇā ke anurūpa śuddha jñāna va śuddha bhāva se yukta hokara bhagavān kā yantra banakara niṣkāma sevā yā pūrṇa puruṣārtha karate hue divya jīvana kī sādhanā karatā hai /*

सहायक ग्रन्थ- वेदान्त दर्शन- वैदिकमुनिभाष्य, (विद्योदय भाष्य सहित आचार्य उदयवीर शास्त्री, प्रकाशक-विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली-110006), विज्ञानभिक्षुभाष्य, शांकरभाष्य। शाबरभाष्य व्याख्या, -पं. युधिष्ठिर मीमांसक, मीमांसापरिभाषा, अर्थसंग्रह- (लौगाक्षि भास्कर)।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 3

Paper - 4

sarvadarśana saṃgraha-1

Paper Code - MD-304

Course Objectives-

- 1- *sarvadarśana saṃgraha meṃ upalabdha darśanoṁ kā samyak bodha karānā /*
- 2- *śaiva darśana kī apekṣākṛta kama pracalita pratyabhijñā darśana ke viṣaya meṃ avagata karānā /*
- 3- *dvaita darśana ke siddhāntoṁ se paricita karānā /*
- 4- *maharṣi pāṇinī viracita grāmthoṁ kā mahatva va vyākaraṇa ke prayojana se avagata karānā /*

(क)	माधवाचार्य के सर्वदर्शन संग्रह से चयनित दर्शन।	- 70
	(i) पाणिनीय दर्शन	
	(ii) मध्वदर्शन (द्वैत दर्शन)	
	(iii) प्रत्यभिज्ञा दर्शन	
	(iv) भारतीय दर्शन का इतिहास	
(ख)	आन्तरिक परीक्षा।	-30

Course Outcomes-

- 1- *chātra sarvadarśana saṃgraha meṃ upalabdha darśanoṁ kā samyak jñāna prāpta karake samasta darśanoṁ kā samikṣātma vivecana karane meṃ sakṣama ho jātā hai /*
- 2- *dvaita darśana ke siddhāntoṁ ke bodha se jīva, jagat va jagadīśvara ke saṃbaṇḍha kī vivecanā karane meṃ samartha ho jātā hai /*
- 3- *pāṇinī darśana ke bodha se bhāṣā kī vaijñānikatā kā bodha karane va karāne meṃ dakṣa ho jātā hai tathā bhāṣā para ādhipatya prāpta karake śāstra ke gūḍhaḥo rahasyoṁ ko sahaja va sarala prakāra se samāja ke sāmane prastuta karane meṃ samartha ho jātā hai /*
- 4- *dvaitadarśana ke anusāra "mokṣa, iśvara ke kṛpā prasāda se prāpta hotā hai" yaha jānakara iśvara kī śaraṇāgati meṃ rahate hue kartṛitva abhimāna se mukta hokara anāsakta bhāva se samāja kī sevā meṃ samplagna ho jātā hai /*

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- सर्वदर्शन संग्रह (माधवाचार्य)।

प्रकाशक-चौखम्बा विद्याभवन, चौक (बैंक ऑफ बड़ौदा भवन के पीछे), वाराणसी-221001

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 4

Paper - 1

sāṃkhyā-yoga-4

Paper Code - MD-401

Course Objectives-

- 1- *sāṃkhyadarśana ke parapakṣa nirjayādhyāya va tantradhyāya ke sūtrartha evam bhāṣyārtha ko jānanā /*
- 2- *yogadarśana ke kaivalyapāda ke sūtrartha evam bhāṣyārtha se avagata karānā /*
- 3- *sāṃkhya ke veda apauruṣeyatva, mokṣakī ekarūpatā ādi prakaraṇom kā bodha karānā /*
- 4- *bandha-mokṣa kā kāraṇa, yoga sādhanā kā varṇana ādi prakaraṇom se avagata karānā /*

खण्ड (क) सांख्य दर्शन-4

- 40

पञ्चम् व षष्ठ अध्याय (विज्ञानभिक्षुभाष्य सहित)

विषय- असंग परमेश्वर का अविद्या शक्ति के साथ सम्बन्ध असंभव, धर्माधर्म के प्रमाण का कथन, सुखादि की सिद्धि में अनुमान के पञ्चावयव का प्रयोग वेदों के पौरुषेयत्व का खण्डन एवं स्वतः प्रामाण्य व्यवस्थापन, स्फोटवाद का खण्डन, आत्मानात्म अभेद में बाधक कथन, आनन्द आत्मा का स्वरूप है इसका खण्डन, परमाणु के नित्यत्व का खण्डन, इन्द्रियों के अभौतिकत्व का व्यवस्थापन, समाधि, सुषुप्ति और मोक्ष की एकरूपता, भूतचैतन्यवाद का खण्डन।

षष्ठाध्याय- दुःखनिवृत्तिमात्र ही पुरुषार्थ है, बन्ध और मोक्ष के कारण का निरूपण, योग साधना का वर्णन, पुरुष बहुत्व व्यवस्थापन, उपाधि भेद से बन्ध-मोक्ष व्यवस्था का खण्डन, प्रकृति पुरुष का भोग्य भोक्तृभाव का अनादित्व स्थापन इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- सांख्यदर्शन (विज्ञानभिक्षुभाष्य सहित)

प्रकाशन- चौखम्भा प्रकाशन, पोस्ट बाक्स नं.- 1150 के. 37/116, गोपाल मन्दिर लेन, वाराणसी-221001

खण्ड (ख) योग दर्शन

-30

चतुर्थ पाद (कैवल्य पाद) व्यासभाष्य सहित

विषय- समाधि के प्रकार, चतुर्विध कर्म, हेतु फल आश्रय के आलम्बन के अभाव से दोषों का अभाव, धर्ममेघ समाधि का स्वरूप, क्लेश कर्म, निवृत्ति व उसका फल, गुणों की परिसमाप्ति, कैवल्य योग इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- योगदर्शन (व्यासभाष्य सहित)

प्रकाशन- वानप्रस्थ साधक आश्रम, आर्य वन, रोजड़, पत्रालय-सागपुर, जि. साबरकांठा,
गुजरात-383307

खण्ड (ग) उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण एवं लेखन।

-30

Course Outcomes-

- 1- *chātra, sāṃkhyadarśana ke parapakṣa nirjayādhyāya va tantradhyāya ke sūtrartha evam bhāṣyārtha kā samyak vyākhyāna karane mem̄ samartha ho jātā hai /*
- 2- *yogadarśana ke kaivalyapāda ke sūtrartha evam bhāṣyārtha kā vivecana karane mem̄ sakṣama ho jātā hai /*
- 3- *sāṃkhyadarśana ke pañcama adhyāya ke anuśīlana se siddhāṃtom ke samīkṣātmaka va ālocanātmaka nirūpaṇa karane mem̄ samartha ho jātā hai /*
- 4- *yoga va sāṃkhyadarśana ke prastuta pāṭhyakrama ke bodha se svayam̄ mem̄ parameśvara va prakṛti pradatta apanī ananta mati, bhakti va kṛti rūpa prasupta sāmarthya va pratibhā ko samagra va pūrṇa puruṣārtha se jāgrata karake yoga, dhāraṇā-dhyāna-samādhī va sanātana dharma ko jana-jana, ghara-ghara va viśvabharata pahumcāne ke lie akhaṇḍa-prakhaṇḍa puruṣārtha karatā hai /*
- 5- *yogadarśana ke kaivalyapāda ke bodha se karmom̄ ke prakāra tathā una karmom̄ ke pariṇāmom̄ ko jānakara yogī jaisā aśukla- akṛṣṇa athavā divya karma karane kā prayatna karatā hai /*

सहायक ग्रन्थ- सांख्यदर्शन-विद्योदय भाष्य सहित, (आचार्य उद्यवीर शास्त्री-प्रकाशक-विजयकुमार हासानन्द-4408, नई सड़क दिल्ली- 110006), दयानन्द दर्शन (स्वामी सत्यप्रकाश) अनुवादक रूपचन्द्र दीपक, सांख्यदर्शनभाष्य (ब्रह्ममुनि जी), वैदिक दर्शन (बलदेव उपाध्याय), वैदिकमुनिभाष्य, सांख्यदर्शन - (आचार्य आनन्दप्रकाश), भोजवृत्ति - (महाराज भोजदेव)।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 4

Paper - 2

nyāya-vaiśeṣika -4

Paper Code - MD-402

Course Objectives-

- 1- *nyāyadarśana ke caturtha va pañcama adhyāya ke sūtrartha evam bhāṣyārtha se avagata karānā /*
- 2- *vaiśeṣika darśana ke aṣṭama, navam tathā daśamādhyāya ke sūtrartha evam praśastapāda bhāṣyārtha se avagata karānā /*
- 3- *pravṛtti, doṣa, pretyabhāva, phala, duḥkha va apavarga rūpī prameyom kā bodha karānā /*
- 4- *jāti va nigrahasthānom kā jñāna karānā /*
- 5- *guṇa parīkṣā prakaraṇa va samavāya nāmaka padārtha se paricita karānā /*

खण्ड (क) न्याय दर्शन - 4 - 30

चतुर्थ व पञ्चम अध्याय (वात्स्यायनभाष्य सहित)

विषय- प्रकृति, दोष व प्रेत्यभाव परीक्षण, सर्व अनित्यवाद तथा उसका खण्डन, फल परीक्षा प्रकरण, तत्त्वज्ञानोत्पत्ति प्रकरण, अव्यवी प्रकरण, तत्त्वज्ञानपरिपालन प्रकरण इत्यादि।

पञ्चमाध्याय- 24 प्रकार की जातियों का वर्णन, षट्पक्षी निरूपण, 22 निग्रहस्थान के विभाग इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- न्यायदर्शन- वात्स्यायनभाष्य सहित,

प्रकाशन- चौखम्भा संस्कृत भवन, पोस्ट बाक्स नं.- 1160 चौक, चित्रा सिनेमा के सामने (बैंक ऑफ बड़ौदा बिल्डिंग) वाराणसी-221001

खण्ड- (ख) वैशेषिक दर्शन - 4 - 30

अष्टम, नवम व दशम अध्याय- (प्रशस्तपादभाष्य सहित)

विषय- आत्मा और मन अप्रत्यक्ष, ज्ञानोत्पत्ति कैसे?, सामान्य विशेष के ज्ञान से द्रव्यादि का ज्ञान, “अर्थ” शब्द ग्राह्य= (द्रव्य, गुण, कर्म), ग्राण का उपादन पृथ्वी, अभाव का स्वरूप, अभाव का प्रत्यक्ष, लैङ्गिक ज्ञान व शब्द ज्ञान का विवरण, स्मृतिज्ञान के कारण, संस्कार प्रकरण, अविद्या के कारण व उसका स्वरूप, विद्या का स्वरूप, सुख दुःख का विवेचन, ज्ञानादि से अतिरिक्त आत्मगुण हैं, सुख-दुःख प्रकरण, समवायी, असमवायी कारण, दृष्ट-अदृष्ट पदार्थ ज्ञान एवं प्रयोग, अभ्युदय का प्रयोजक इत्यादि।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- वैशेषिक दर्शन- (प्रशस्तपादभाष्य सहित),

प्रकाशन- चौखम्भा संस्कृत संस्थान, पोस्ट बाक्स नं.- 1139 के. 37/116, गोपाल मन्दिर लेन, गोलघर, वाराणसी-221001

खण्ड (ग) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड)-

-10

मङ्गलवाद, सप्तपदार्थ, द्रव्यजाति साधन, गुणनिभाग, कर्मविभाग, सामान्य निरूपण, विशेष निरूपण समवाय निरूपण, अभाव निरूपण, कारण निरूपण, अन्यथासिद्ध निरूपण, पृथ्वयादिद्रव्य निरूपण, काल दिक्आत्मनोनिरूपण, प्रत्यक्ष लक्षण।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली- पं. विश्वनाथ।

प्रकाशक- चौखम्भा प्रकाशन, पोस्ट बाक्स नं.- 1150, के. 37/116, गोपाल मन्दिर लेन, गोलघर, समीप मैदागिन), वाराणसी-221001

खण्ड (घ) उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण एवं लेखन।

- 30

Course Outcomes-

1- *chātra, nyāyadarśana ke caturtha va paxcama adhyāya ke sūtrartha evam bhāṣyārtha kī vyākhyā karane mem̄ samartha ho jātā hai /*

2- *vaiśeṣika darśana ke aṣṭama, navam tathā daśamādhyāya ke sūtrartha va bhāṣyārtha ko samajhane va samajhāne sakṣama ho jātā hai /*

3- *nyāya mem̄ varṇita pravṛtti va doṣoṁ ke samyak bodha se chātra rāga, dveṣa va mohamūlaka pravṛtti se virata hokara satya, prema va karūṇā kī ora unmukha ho jātā hai /*

4- *nyāya mem̄ varṇita jāti va nigraha sthāna ke bodha se śāstrartha karane mem̄ pāramgata ho jātā hai /*

5- *samavāya padārtha ke jñāna se guṇa-guṇī, vyakti-jāti, kriyā-kriyāvān, avayava-avayavī, amṛtyaviśeṣa-paramāṇu ke madhya vidyamāna nitya samavāya sambandha kā vivecana karane mem̄ sakṣama ho jātā hai /*

6- *nyāya, vaiśeṣika ke prastuta pāṭhyakrama ke bodha se vaidika siddhāntom̄ ke vajñānika va vyavahārika rūpa ko samyakatayā jānakara ādibhautika, ādhidaivika va ādhyātmika duḥkhom̄ se bacatā huā ṛtajñāna yā yathārtha bodha ke dvārā adhyātma yā niḥśreyas mūlaka śreṣṭhatam laukika aiśvarya-abhyudaya ko prāpta karane mem̄ samartha ho jātā hai /*

सहायक ग्रन्थ- न्यायदर्शन- (विद्योदय भाष्य सहित आचार्य उदयवीर शास्त्री), न्यायकुसुमांजलि (आचार्य उदयन), न्यायदर्शन (डा० राधाकृष्णन्), न्यायवार्तिक (वाचस्पति मिश्र), द्विण्डराजशास्त्री। (विद्योदयभाष्य सहित आचार्य उदयवीर शास्त्री), आनन्दभाष्य सहित (आचार्य आनन्दप्रकाश)।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 4

Paper - 3

vedānta-mīmāṃsā-4

Paper Code - MD-403

Course Objectives-

- 1- *vedānta darśana ke phalādhyāya ke sūtrarthā evam bhāṣyārtha se avagata karānā /*
- 2- *mīmāṃsā darśana ke ṣaḍvidhapramāṇom kā bodha karānā /*
- 3- *vedāṃta darśana ke pramukha saṃdarbhom-mokṣamārga kā anugamana, jīvātmā kā kartṛttva, brahma upāsakom kā śarīra se niṣkramaṇa ādi se paricita karānā /*
- 4- *mīmāṃsā darśana ke pramukha saṃdarbhom-dharma kā lakṣaṇa, dharma ke pramāṇa, māmtra kā paricaya, yajñādi karmom ādi kā bodha karānā /*

खण्ड (क) वेदान्त दर्शन-4

- 35

चतुर्थ अध्याय - (विज्ञानभिक्षुभाष्य सहित)

विषय- जीवनपर्यन्त एकाग्रतादि साधन के द्वारा परमात्मा का ध्यान, प्रतीक उपासना का निषेध, उपासना से परमात्मा का साक्षात्कार होने पर पापों का असंस्पर्श तथा पुण्यकर्मों का फल, मरण काल में सर्वेन्द्रिय-शक्तियों का सूक्ष्म शरीर में लीन होना, ब्रह्मेपासक योगी का सहस्रार चक्र के माध्यम से उत्क्रान्ति तथा ब्रह्मलोक गमन, देवयान मार्ग से ब्रह्मलोक गमन मुक्ति में सूक्ष्म शरीर का वर्तमानत्व व स्वप्नवत् व्यवहार।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- वेदान्त दर्शन (ब्रह्मुनिभाष्य सहित)

प्रकाशक- माता तुलसादेवी हुकमचन्द्र धर्मार्थ आर्ष साहित्य प्रकाशन, हिसार, (हरियाणा)

खण्ड (ख) मीमांसा दर्शन-4

- 35

मीमांसा दर्शन- वाक्यार्थ बोध।

विधि एवं अर्थवाद, श्रुति, लिंग, वाक्य, प्रकरण, स्थान व समाख्या की समीक्षा।
तन्त्र निरूपण, आवाप निरूपण व प्रसंग निरूपण समीक्षा।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- मीमांसा दर्शन (शाबरभाष्य)।

प्रकाशक- युधिष्ठिर मीमांसक, बहालगढ़, जिला- सोनीपत, हरियाणा।

Course Outcomes-

- 1- *chātra, vedānta darśana ke phalādhyāya ke sūtrartha evam bhāṣyārtha kī vivecanā karane mem̄ samartha ho jātā hai /*
- 2- *mīmāṃsā darśana ke ṣaḍvidhapramāṇom̄ ke bodha se tarka, tathya va yuktipūrvaka satya va asatya siddhāṇṭom̄ kī samīkṣā karane mem̄ sakṣama ho jātā hai /*
- 3- *puruṣārtha-catuṣṭaya ke amṛtima puruṣārtha 'mokṣa' ke samyak bodha dvārā dharmamūlaka artha ke upārjana va dharmamūlaka sātvika kāmanāom̄ kī pūrti karatā huā samāja ko usa ora prerita karatā hai /*
- 4- *chātra, vedāṇṭa ke brahmavidyā ke samyak bodha dvārā samāja mem̄ phailā īśvara se saṃbaṇḍhitā amṛdhaviśvāsa, dharmaṇga, pākhaṇḍa va āḍaṇḍbara kā nirmūlana karatā hai /*
- 5- *vedānta darśana mem̄ varṇita brahmaṭattva tathā mīmāṃsā darśana mem̄ varṇita dharmatattva kī sarvopari mahimā ko jānakara bhagavāna evam bhagavāna ke vidhāna ke sandarbha mem̄ sabhī samasyāom̄ kā samādhāna pākara viśvabandhutva, saha-astitva, ekatva, sāmaṇjasya va sahiṣṇutā pūrvaka "yatra viśvam bhavatyekāṇḍam" kī dṛṣṭi se sundara sṛṣṭi banāne mem̄ sahayoga pradāna karatā hai /*

सहायक ग्रन्थ- वेदान्त दर्शन- वैदिकमुनिभाष्य, (विद्योदय भाष्य सहित आचार्य उदयवीर शास्त्री, प्रकाशक-विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली-110006), ब्रह्ममुनिभाष्य, शांकर भाष्य, शाबरभाष्य व्याख्या- पं. युधिष्ठिर मीमांसक, मीमांसापरिभाषा, अर्थसंग्रह- (लौगाक्षि भास्कर)।

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 4

Paper - 4

sarvadarśana saṃgraha-2

Paper Code - MD-404

Course Objectives-

Course Objectives-

1- *rāmānujācārya jī ke viśiṣṭādvaita darśana kā bodha karānā /*

2- *śaṅkarācārya jī ke advaita darśana se avagata karānā /*

3- *rāmānujācārya tathā śaṅkarācārya jī ke jīvana paricaya kā jñāna karānā /*

(क) माधवाचार्य के सर्वदर्शन संग्रह से चयनित दर्शन।

(1) रामानुजाचार्य का विशिष्टाद्वैतदर्शनम् - 35

(2) शंकराचार्य का अद्वैतदर्शन। - 35

(ख) उपर्युक्त ग्रन्थों की आन्तरिक परीक्षा। - 30

Course Outcomes-

1- *chātra, viśiṣṭa dvaita darśana ke bodha se cid-acid viśiṣṭa brahma kī vyākhyā karane meṁ samartha ho jātā hai /*

2- *advaita darśana ke bodha se samasta saṃbaṇḍhoṁ meṁ brahmasaṃbaṇḍha se tādātmya hokara sabako ātmavat mānatā huā sabakā kalyāṇa karane meṁ saṃlagna ho jātā hai /*

3- *rāmānujācārya va śaṅkarācārya ke tapa va saṃyama yukta se jīvana se preraṇā pākara sanātana māna binduoṁ kī rakṣā hetu tatpara ho jātā hai /*

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- सर्वदर्शन संग्रह (माधवाचार्य विरचित)।

प्रकाशक-चौखम्बा विद्याभवन, चौक (बैंक ऑफ बड़ौदा भवन के पीछे), वाराणसी-221001

University of Patanjali, Haridwar

MA Darshan

Semester 4

Paper - 5

sṛjanātmaka va prāmāṇika laghu śodha lekhana

Paper Code - MD-405

एम.ए. दर्शन में पठित विषय से सम्बन्धित किसी एक विषय पर¹ सृजनात्मक व प्रामाणिक लघु शोध लेखन

Course Objectives-

- 1- *darśana viṣaya ke utkṛṣṭa śodha kā prārambha karake śodha kī pravṛtti/ruci ko jāgṛta karānā /*
 2- *lekhana va śodhana kī takanīka se paricita karānā /*

यथा-

शास्त्रीय निबन्धः:

भारतीयदर्शनानां महत्त्वम्, दर्शनेषु प्रमाणानि।

नास्ति साख्यसमं ज्ञानम्, योगाङ्गानि, पदार्थः, ब्रह्मस्वरूपम्, जीवस्वरूपम्।

दर्शनशास्त्रप्रणेतणां परिचयः, दर्शनानां मुख्यप्रतिपाद्यविषयाः- अविद्या, बन्धकारणानि

षड्दर्शन-समन्वयः, मोक्षस्वरूपम्, यज्ञस्वरूपम्।

अथवा

भारतीय नीतिदर्शन एवं भारतीय तर्कशास्त्र।

उपरोक्त विषयों से अतिरिक्त दर्शनशास्त्र से सम्बद्ध किसी रचनात्मक विषय का चयन भी छात्र अपनी रूचि व योग्यतानुसार कर सकते हैं।

नोट : लघु शोध लगभग 30-50 पृष्ठ में हो।

Course Outcomes-

- 1- *chātra mem darśana viṣaya ke utkṛṣṭa śodha karane se śodha kī pravṛtti/ruci jāgṛta ho jātī hai /*
 2- *lekhanaśailī va śodhana kī takanīka kā bodha ho jātā hai /*